

एकाग्र दृष्टि वि. (तत्.) किसी एक ही वस्तु पर दृष्टि जमाने वाला, एकाग्रता, स्थिर चित्त।

एकातपत्र वि. (तत्.) एक छत्र, चक्रवर्ती, सम्राट।

एकात्मक राज्य पुं. (तत्.) राज. वह राज्य जिसमें एकात्मक शासन हो।

एकात्मक शासन पुं. (तत्.) राज. ऐसी शासन प्रणाली जिसमें संपूर्ण देश के लिए एक केंद्रीय शक्ति सर्वोच्च होती है और कोई भी स्थानीय या प्रादेशिक प्रशासन उसका उल्लंघन नहीं कर सकता। sovereign state

एकात्मता स्त्री. (तत्.) 1. एकात्म होने की अवस्था या भाव, एकता 2. अभेदरूपता।

एकात्मवाद पुं. (तत्.) वह सिद्धांत जिसमें आत्मा और परमात्मा की एकाकार स्थिति की मान्यता है, अद्वैतवाद।

एकात्म वि. (तत्.) (एक+आत्मन) एकात्म, जो किसी के साथ मिलकर एक हो गया है। तादात्म्य, अभिन्न।

एकादश वि. (तत्.) 1. ग्यारह, दस से ऊपर एक 2. क्रिकेट, हॉकी आदि खेलों में ग्यारह खिलाड़ियों का दल।

एकादशाह पुं. (तत्.) (एकादश+अह) मृत्यु के पश्चात् ग्यारहवें दिन किया जाने वाला कर्मकांड। अंतेष्टि क्रिया का ग्यारहवाँ दिन।

एकादशी स्त्री. (तत्.) प्रत्येक चांद्र मास के शुक्ल और कृष्ण पक्ष की ग्यारहवीं तिथि।

एकादेश पुं. (तत्.) व्या. 'आदेश' का एक रूप जिसमें दो शब्दों की संधि करने पर पहले शब्द के परवर्ण और दूसरे शब्द के पूर्ववर्ण के योग से एक नया वर्ण बनता है।, जैसे- रमा+ईश से रमेश शब्द बन गया। इसमें आ और ई के मेल से ए वर्ण बन गया।

एकाध वि. (तत्.) एक या दो जो गिनती में बहुत ही कम हो, संख्या में बहुत कम, जैसे- ऐसे एकाध मामले ही ध्यान में आए हैं।

एकाधिक वि. (तत्.) 1. एक से अधिक, अनेक जैसे- किसी क्षेत्र अथवा आदि में, पूर्वकाल में राजाओं के एकाधिक विवाहों के उदाहरण मिलते हैं।

एकाधिकार वि. (तत्.) बाणि. एक व्यक्ति या दल का अधिकार, एक का प्रभुत्व, बाजार की ऐसी स्थिति जिसमें किसी वस्तु या सेवा का मात्र एक ही विक्रेता या प्रदाता हो। monopoly

एकाधिकारी वि. (तत्.) 1. जिसका एकाधिकार हो, अपना ही पूर्ण अधिकार रखने वाला, एकाधिपत्य वाला 2. किसी माल, वस्तु को बेचने का एक ही कंपनी को एकाधिकार।

एकाधिपति पुं. (तत्.) 1. समूचे देश या क्षेत्र विशेष पर एकछत्र राज्य करने वाला, (एकमात्र) स्वामी या शासक 2. सम्राट।

एकाधिपत्य वि. (तत्.) किसी कार्य या देश आदि पर होने वाला किसी एक व्यक्ति का पूर्ण अधिकार, एकमात्र प्रभुत्व।

एकानन वि. (तत्.) जिसका एक मुख हो, एक मुख वाला।

एकार पुं. (तत्.) 'ए' स्वर वर्ण तथा उसकी ध्वनि।

एकार्णव वि. (तत्.) 1. सागर 2. अनेक सागरों के मिलने से बना सागर 3. महासागर 4. अंतरिक्ष।

एकार्थक वि. (तत्.) 1. ऐसा शब्द जिसका एक ही अभिधेय अर्थ हो, जो द्विअर्थक न हो 2. पर्यायवाची, अर्थ के आधार पर वर्गीकृत वह शब्द समूह जिसका, प्रयोग एक ही अर्थ में होता है जैसे- आदित्य और मार्तंड एकार्थक हैं।

एकार्थकता स्त्री. (तत्.) एक अर्थ होने का भाव, एकार्थत्व, समानार्थकता, शब्द का एक ही अर्थ होने की स्थिति।

एकार्थता स्त्री. (तत्.) एक अर्थ होना, एकार्थत्व, समानार्थकता। शब्द का एक ही अर्थ होने की स्थिति।